बाहरी बातें

the yp foundation

INTERSECTIONAL | FEMINIST | RIGHTS-BASED

मेल यौन प्रजनन अंग

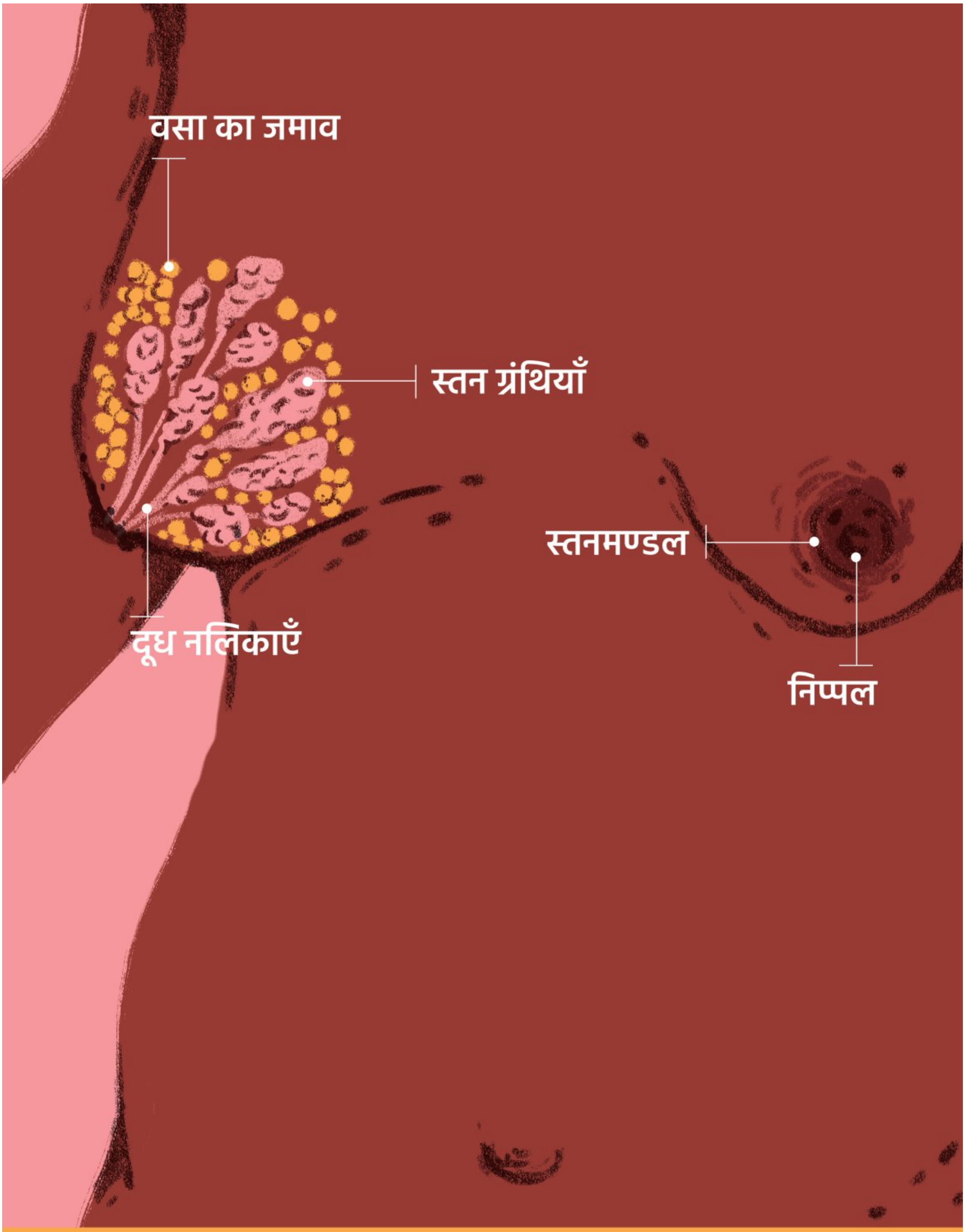

स्तन

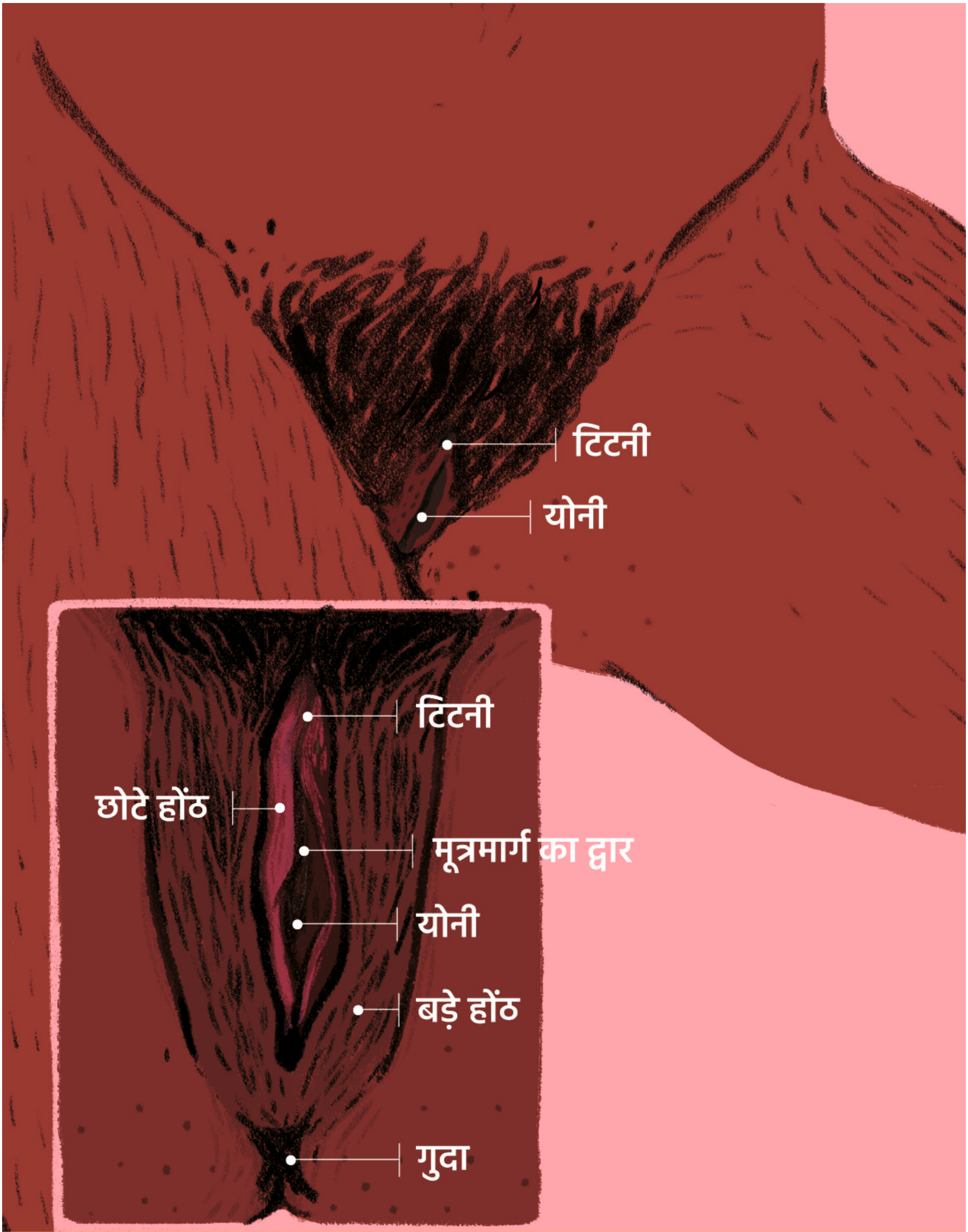

फ़ीमेल यौन प्रजनन अंग

अंदरुनी बातें

the yp foundation

INTERSECTIONAL | FEMINIST | RIGHTS-BASED

स्खलन की
प्रक्रिया

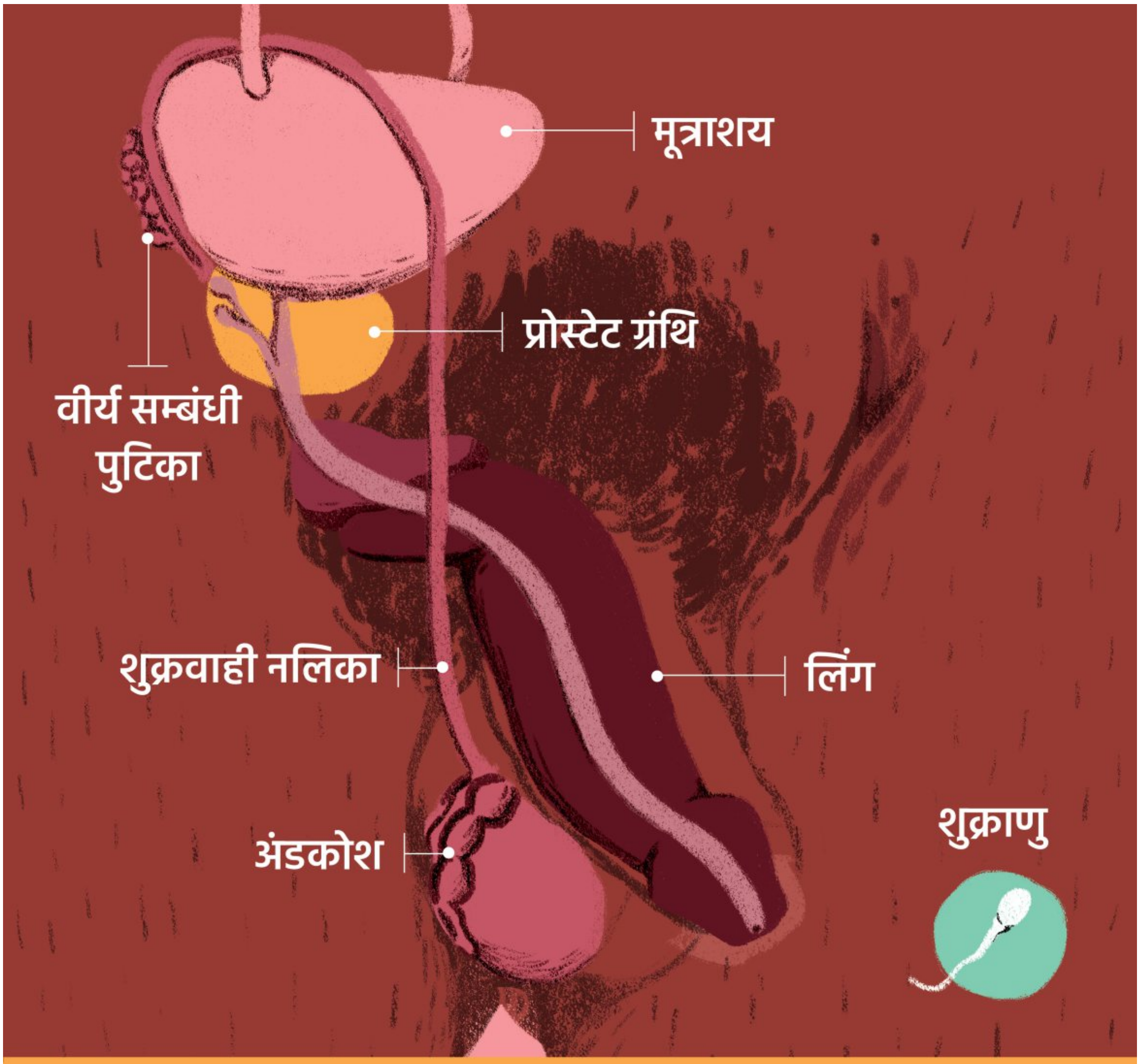

मेल शरीर में **यौवनारंभ** आमतौर पर 9 से 15 साल के बीच की उम्र में होता है।

उस दौरान उनके **अंडकोशों** में करोड़ों **शुक्राणु** बनने लगते हैं।

ये शुक्राणु एक गीले पदार्थ में मिल जातें हैं। इस मिश्रित द्रव्य को **वीर्य** कहा जाता है।

1a स्खलन की प्रक्रिया

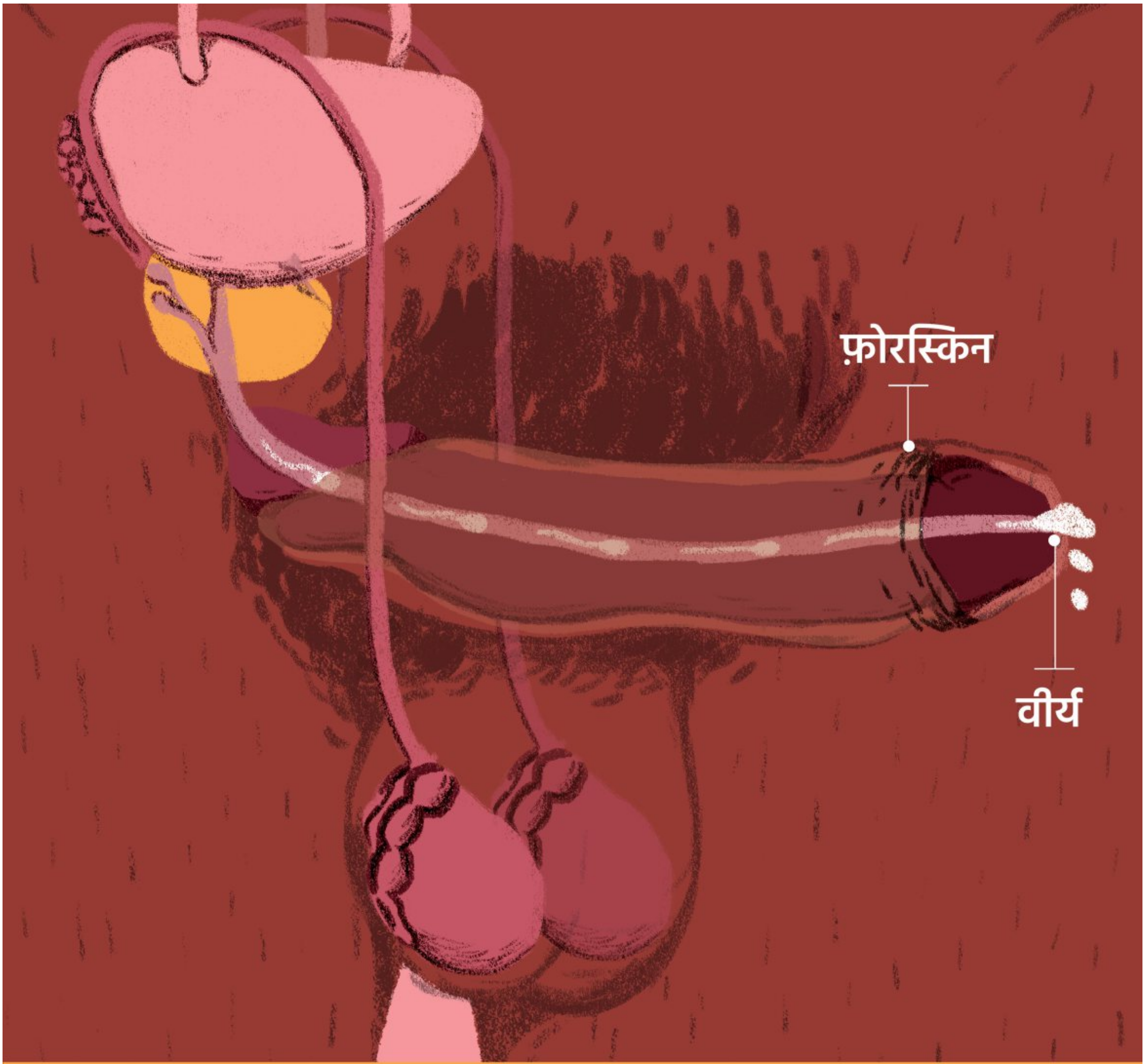

मेल शरीर में बनने वाला वीर्य लिंग के माध्यम से बाहर निकलता है।

इस प्रक्रिया को **स्खलन** कहा जाता है।

2a स्खलन की प्रक्रिया

डिबोत्सर्जन की प्रक्रिया

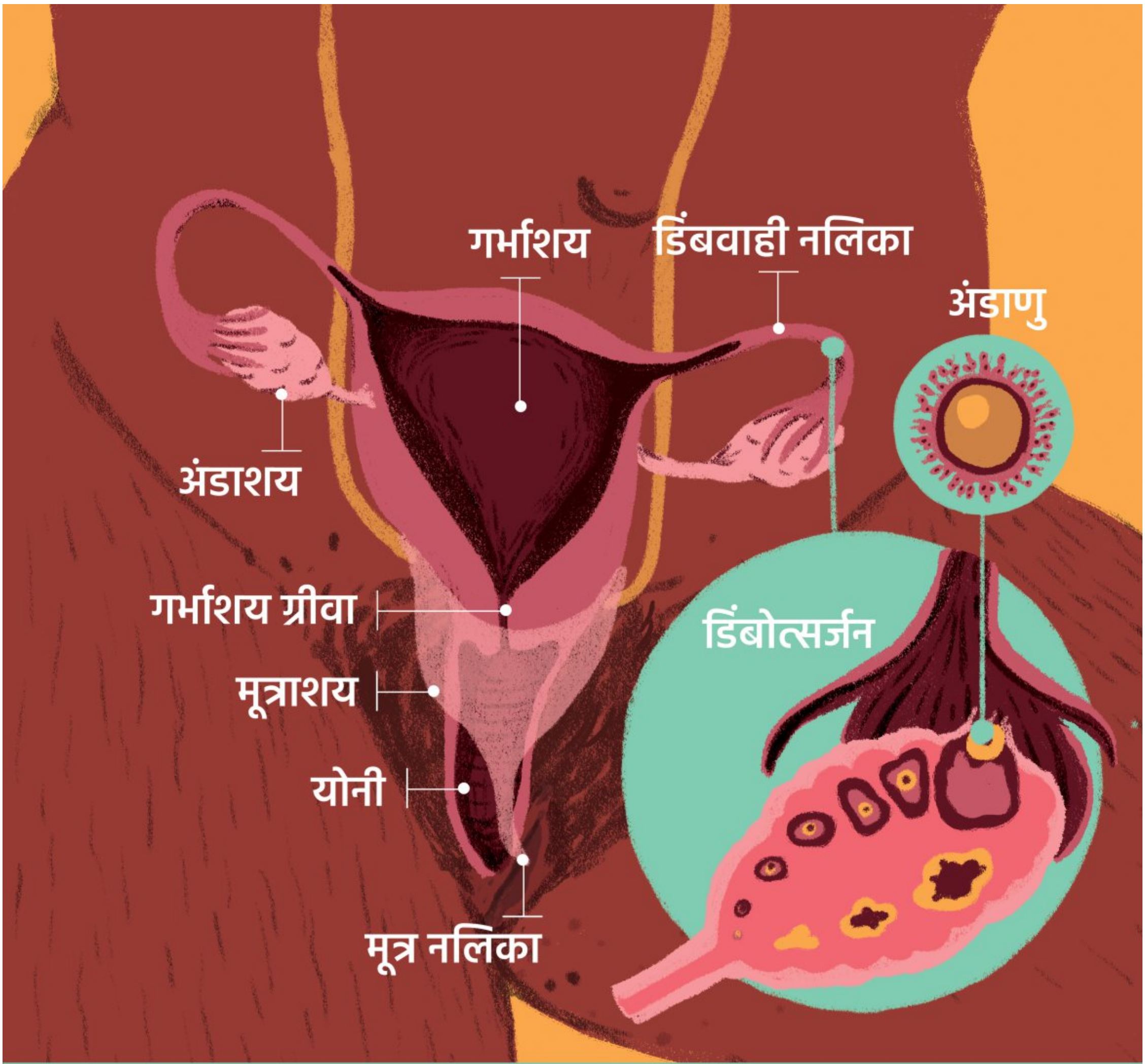

फ़ीमेल शरीर में **यौवनारंभ** आमतौर पर 8 से 13 साल के बीच की उम्र में होता है।

इस समय उनके **अंडाशय** में मौजूद लाखों अंडों में से नियमित अंतराल पर एक-एक **अंडा** परिपक्व होकर बाहर निकलने लगता है।

इस प्रक्रिया को **डिंबोत्सर्जन** कहा जाता है।

1b डिंबोत्सजर्न की प्रक्रिया

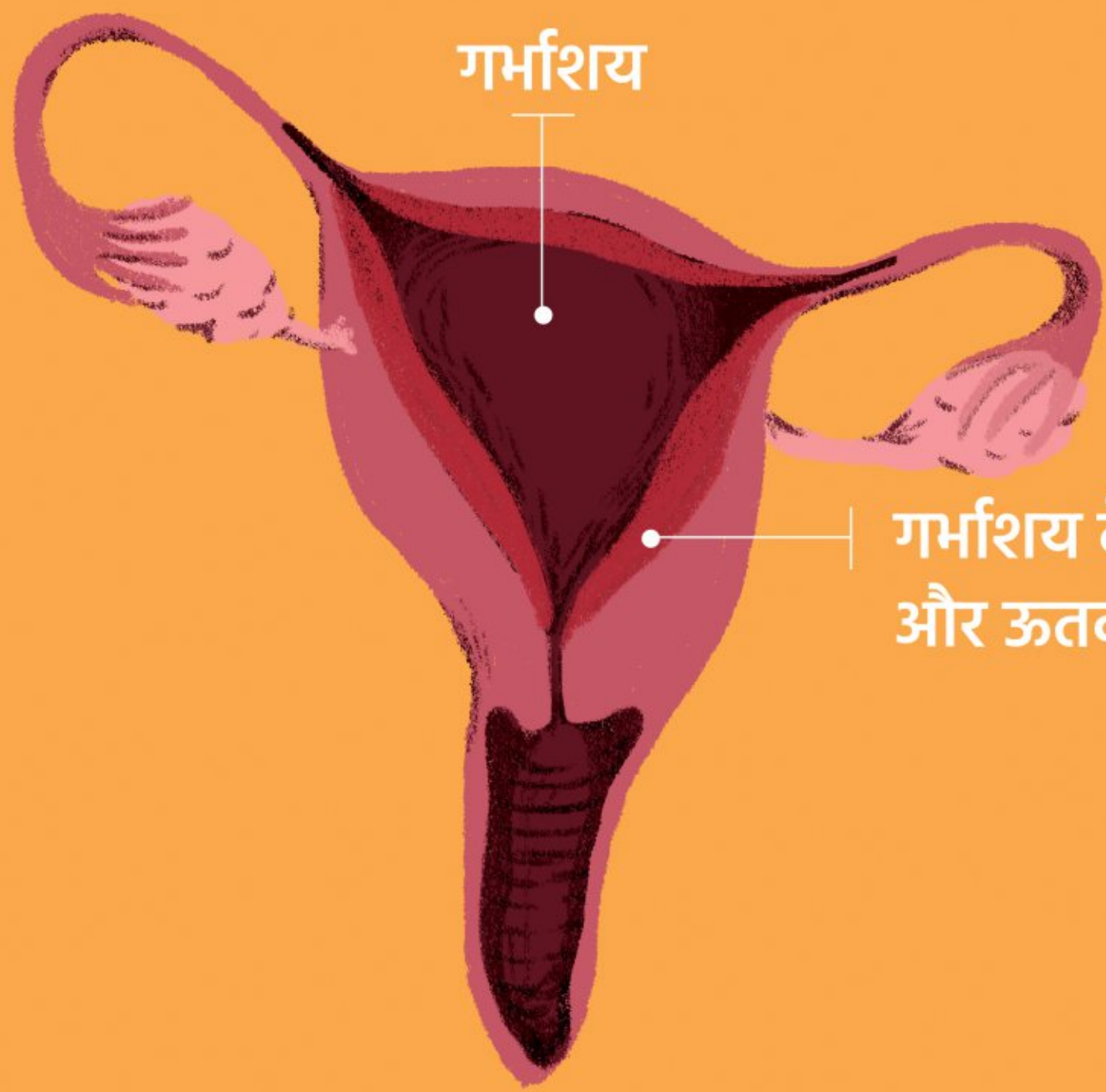

यौवनारंभ के बाद, हर महीने, फ़ीमेल शरीर में **गर्भाशय** की भीतरी सतह मोटी होने लगती है।

उसमें सामान्य से ज़्यादा ख़ून और ऊतक जमने लगता है।

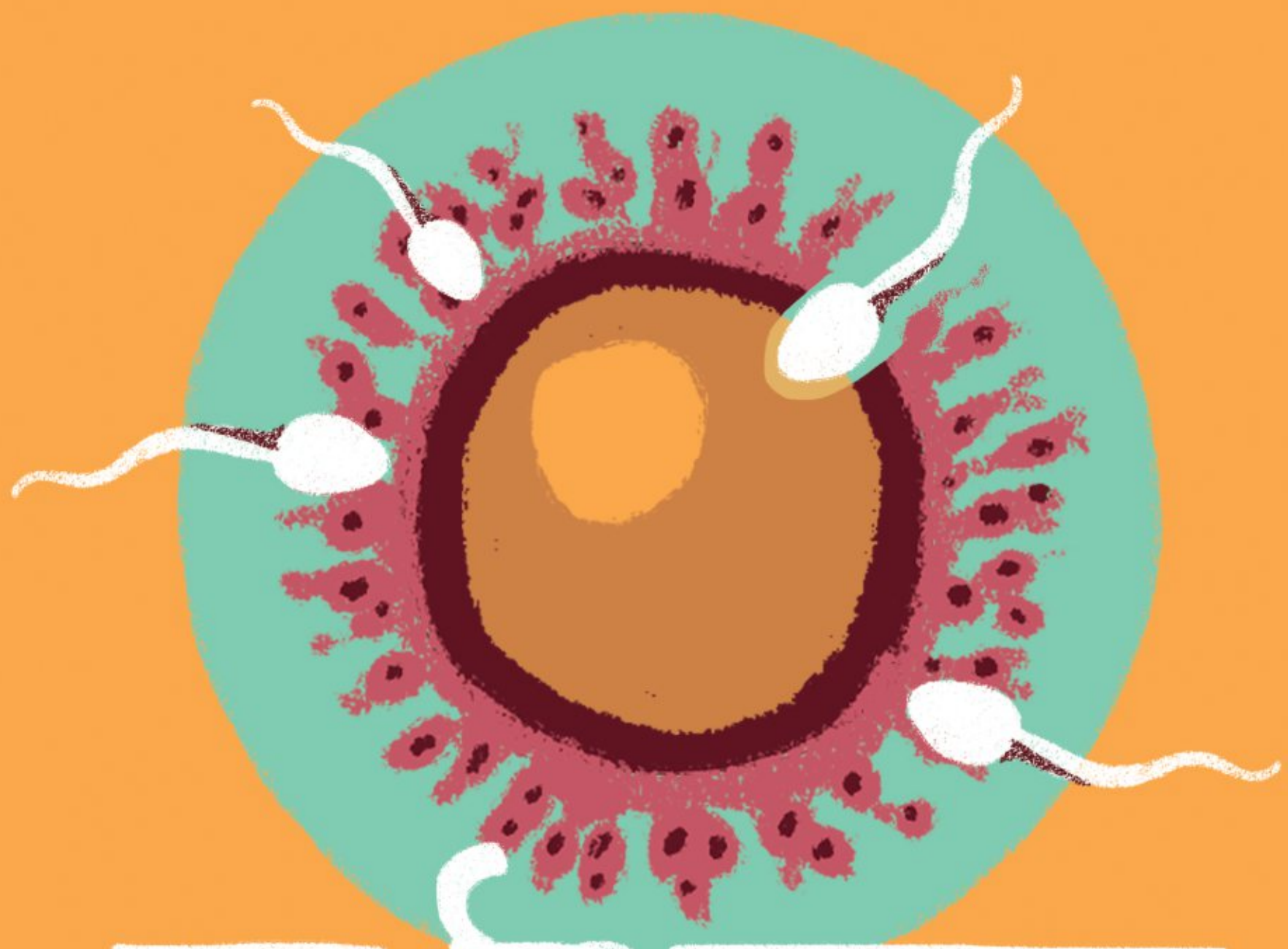

गर्भधारण का प्रक्रिया

यौवनारंभ के बाद, दोनो मेल और फ़ीमेल शरीर प्रजनन प्रक्रिया के लिए तैयार होने लगते है। अब, दो स्थितियाँ हो सकती है, जिनके अलग-अलग परिणाम होतें हैं: **सहवास ना होना और सहवास होना।**

गर्भधारण की प्रक्रिया

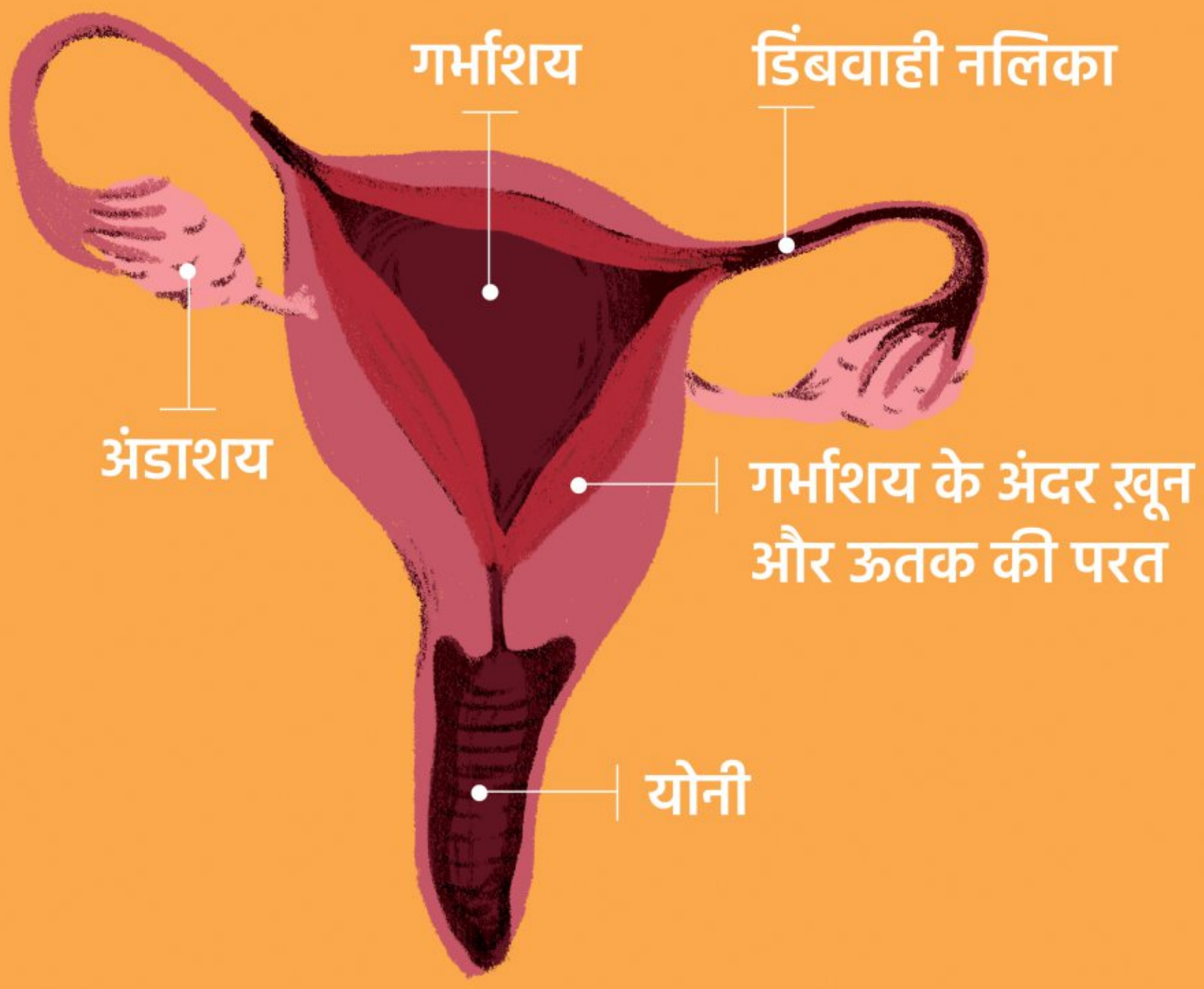

सहवास ना होना

अगर सहवास नहीं होता है, तो वीर्य योनी में स्खलित नहीं होगा।

इसका मतलब है की वीर्य में प्रस्तुत शुक्राणु गर्भाशय में प्रवेश नहीं कर सकते है।

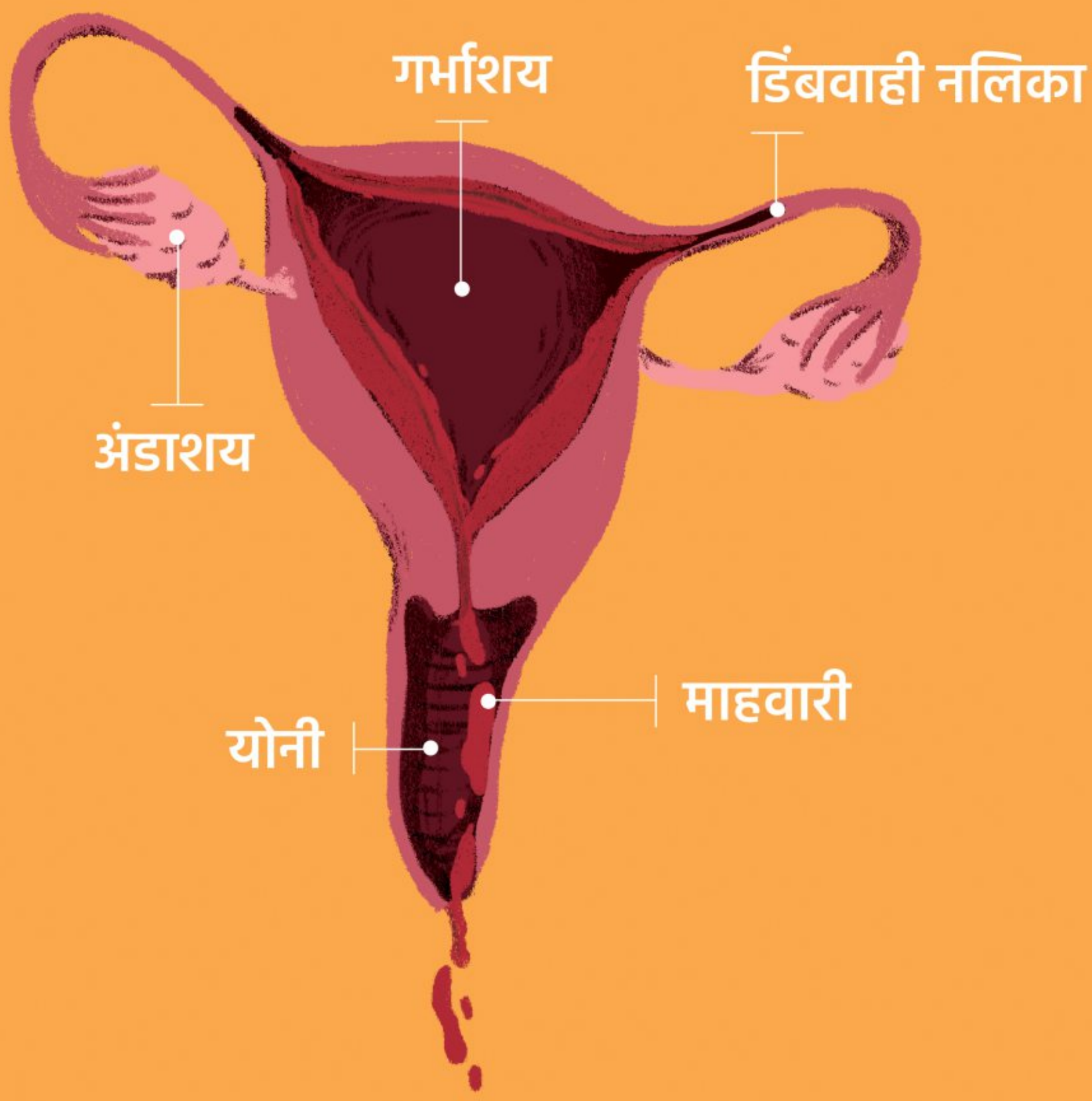

सहवास ना होने की स्थिति में गर्भाशय में जो ख़ून और ऊतक की मोटी सतह तैयार हो रही थी, वह टूट कर योनी से बाहर निकलने लगती है। इसे **माहवारी** कहते है।

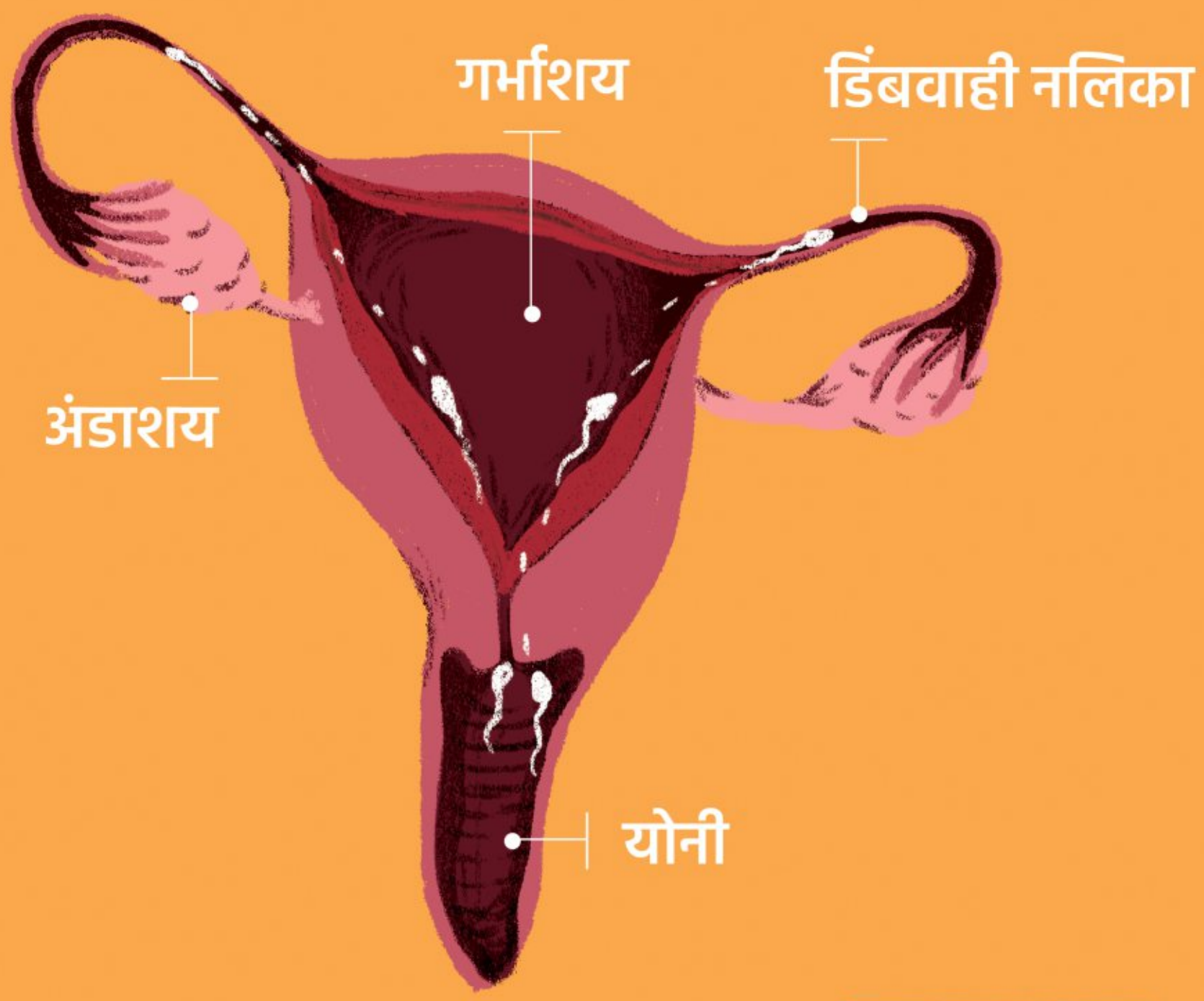

सहवास होना

अगर सहवास होता है, तब वीर्य योनी में स्खलित हो सकता है।

वीर्य में प्रस्तुत शुक्राणु अंडे की खोज में गर्भाशय से होते हुए डिंबवाही नलिका तक ऊपर बढ़ने लगते है।

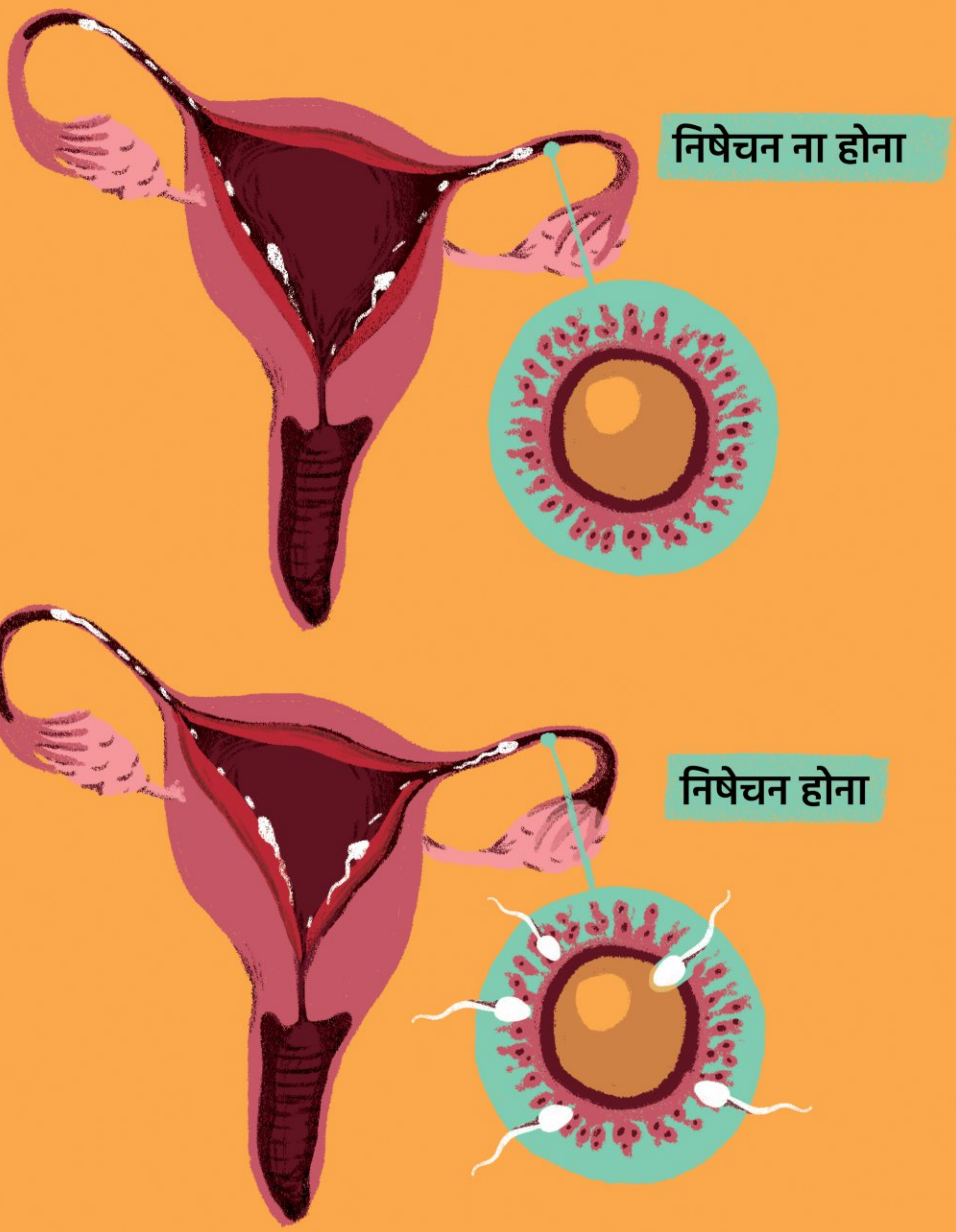

शुक्राणुओं के गर्भाशय में प्रवेश होने के बाद, दो स्थितियाँ हो सकती है जिनके अलग-अलग परिणाम होतें हैं: निषेचन ना होना और निषेचन होना।

गर्भधारण की प्रक्रिया

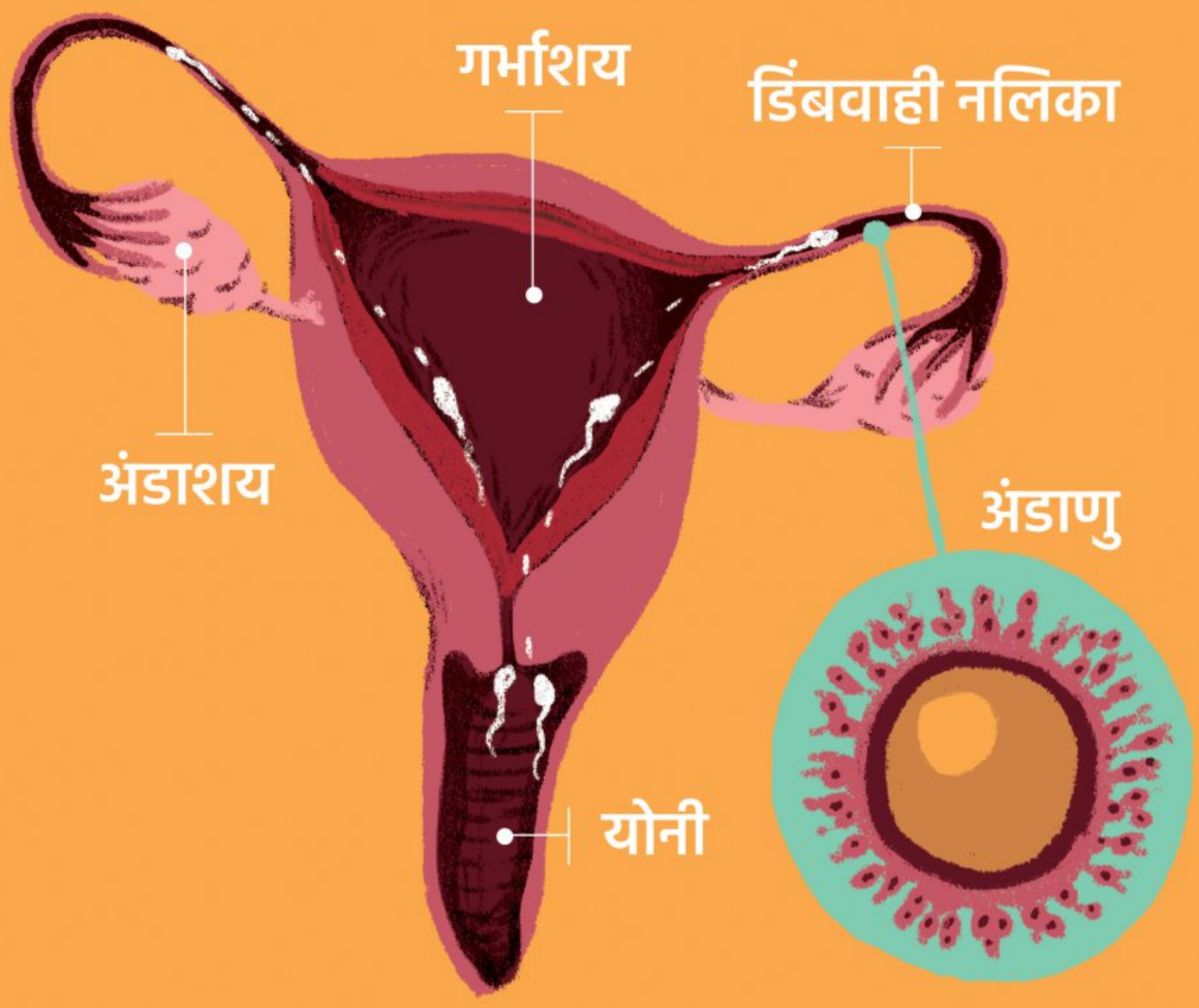

निषेचन ना होना

अगर शुक्राणु **डिंबवाही नलिका** में पहुँच कर अंडे को निषेचित करने में सक्षम नहीं है, या अगर डिंबवाही नलिका में परिपक्व अंडा ही ना हो, तो निषेचन नहीं होगा।

निषेचन ना होने पर गर्भाशय में जो ख़ून और ऊतक की मोटी सतह तैयार हो रही थी, वह **माहवारी** के रूप में योनी से बाहर निकल जाती है।

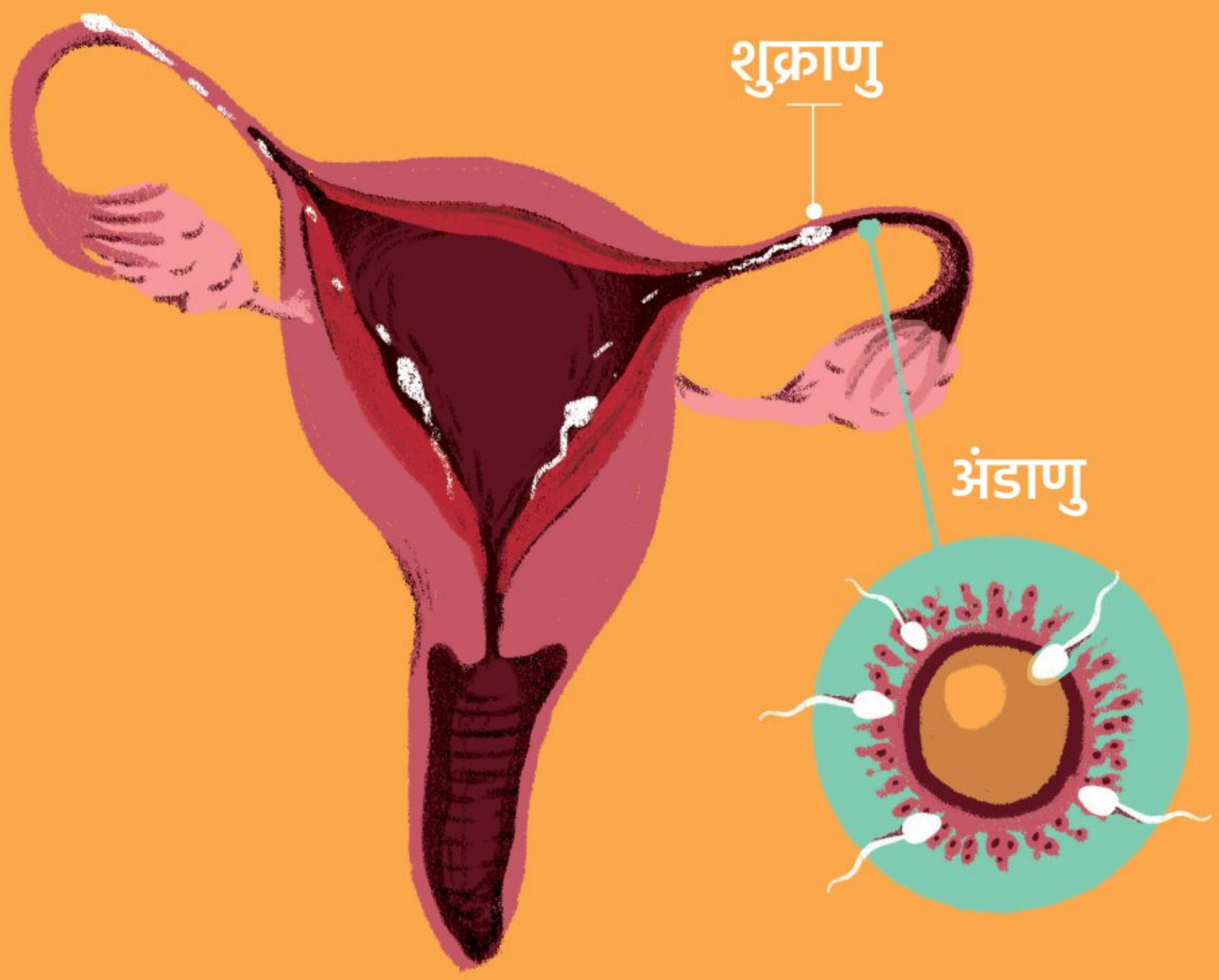

निषेचन होना

अगर **डिंबवाही नलिका** में परिपक्व अंडा है, तो कोई एक शुक्राणु उसे निषेचित कर सकता है।

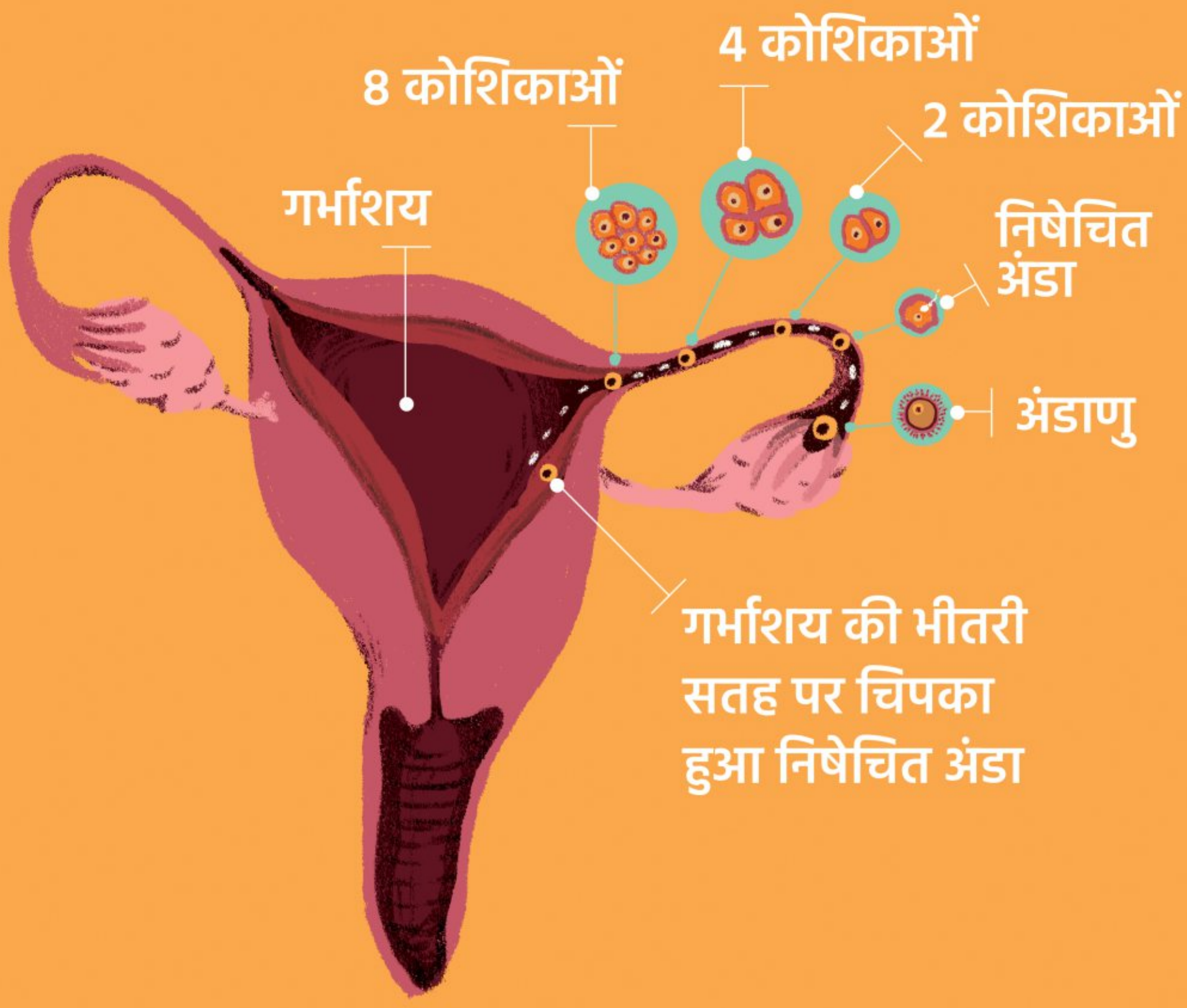

निषेचित अंडा गर्भाशय की भीतरी सतह में जाकर धँस जाता है।
इस दौरान उसकी कोशिकाएँ बहुत तेज़ी से विभाजित होने लगती हैं।

इसे **गर्भधारण** कहा जाता है।

करोड़ों नई कोशिकाएँ मिलकर एक **भ्रूण** का रूप ले लेती है।

7 गर्भधारण की प्रक्रिया

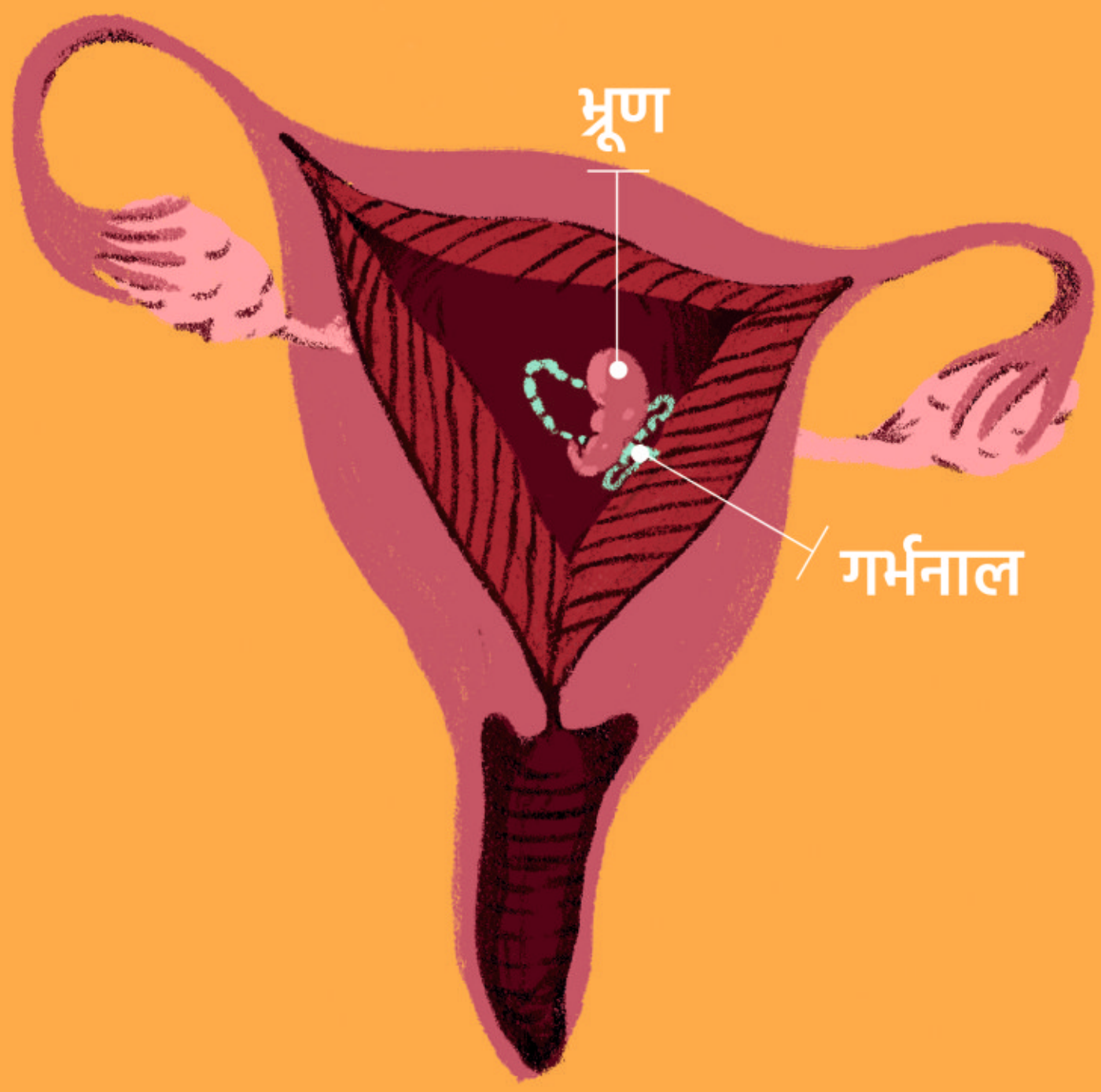

गर्भावस्था के दौरान भ्रूण गर्भाशय में बढ़ने लगता है और वह ऑक्सीजन तथा खुराक के लिए गर्भवती व्यक्ति के शरीर पर ही निर्भर रहता है।

यह **भ्रूण** प्रसव से पहले 40 हफ़्ते (9 माह) गर्भाशय में ही बढ़ता जाता है।